प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई-400001
Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai-400001 फोन/Phone: 022- 22660502

6 मार्च 2024

भारतीय रिज़र्व बैंक वर्किंग पेपर सं. 02/2024:
वाणिज्यिक पत्र दर स्प्रेड के चालक - एक अनुभवजन्य मूल्यांकन

भारतीय रिज़र्व बैंक ने आज अपनी वेबसाइट पर भारतीय रिज़र्व बैंक वर्किंग पेपर शृंखला[1] के अंतर्गत "वाणिज्यिक पत्र दर स्प्रेड के चालक - एक अनुभवजन्य मूल्यांकन" शीर्षक से एक वर्किंग पेपर जारी किया। पेपर की सह-लेखन प्रियंका प्रियदर्शनी, अंशुल, श्रीजाश्री सरदार, दीपक आर. चौधरी और संगीता दास ने किया है।

यह पेपर अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के वाणिज्यिक पत्र (सीपी) बाज़ारों की तुलना में भारतीय वाणिज्यिक पत्र (सीपी) बाज़ार की प्रमुख विशेषताओं का विश्लेषण करता है। पेपर दैनिक डेटा का उपयोग करके खजाना-बिल दर पर सीपी दर स्प्रेड के निर्धारकों की अनुभवजन्य जांच करता है।

निष्कर्षों से पता चलता है कि:

i) अधिशेष चलनिधि न्यूनतर सीपी स्प्रेड से संबंधित और इसके विपरीत है। बाज़ार अस्थिरता माप (वीआईएक्स) स्प्रेड को बढ़ाता है, जो बढ़ते जोखिम की अवधि के दौरान निवेशकों की प्राथमिकता में सुरक्षित आस्तियों के ओर बदलाव का संकेत देता है।

ii) बाज़ार की ब्याज दरों की प्रत्याशा (ओआईएस 1-माह) स्प्रेड को बढ़ाता है, जो ब्याज दरों के बढ़ने की बाज़ार की प्रत्याशा के साथ सीपी दरों में वृद्धि का संकेत देता है।

iii) म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी में वृद्धि, सीपी निर्गमन में प्रमुख निवेशक से सीपी स्प्रेड कम हो जाता है। सीपी निर्गमकर्ता व्यापक रूप से कॉर्पोरेट और एनबीएफसी में विभाजित किए जाते हैं; निष्कर्ष बताते हैं कि एनबीएफसी द्वारा सीपी निर्गमन में वृद्धि के साथ-साथ स्प्रेड में भी वृद्धि की प्रवृत्ति होती है।

(योगेश दयाल)
मुख्य महाप्रबंधक

प्रेस प्रकाशनी: 2023-2024/2010

[1] भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने रिज़र्व बैंक वर्किंग पेपर शृंखला की शुरुआत मार्च 2011 में की थी। ये पेपर भारतीय रिज़र्व बैंक के स्टाफ सदस्यों और कभी-कभी बाहरी सह-लेखकों, जब अनुसंधान संयुक्त रूप से किया जाता है, के अनुसंधान की प्रगति पर शोध प्रस्तुत करते हैं। इन्हें टिप्पणियों और अतिरिक्त चर्चा के लिए प्रसारित किया जाता है। इन पेपरों में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और जरूरी नहीं कि वे जिस संस्थान (संस्थाओं) से संबंधित हैं, उनके विचार हों। अभिमत और टिप्पणियां कृपया लेखकों को भेजी जाएं। इन पेपरों के उद्धरण और उपयोग में इनके अनंतिम स्वरूप का ध्यान रखा जाए।